हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–256 : जौनपुर, शनिवार 17 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा देश : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। जमीन से लेकर आसमान तक, कृषि मशीनों से लेकर क्रायोजेनिक इंजन तक, हर क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ में हैं। लखनऊ में श्आत्मनिर्भर भारतश पर संगोष्ठी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जौर देते हुए कहा कि देश आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज जब तकनीक का नाम नया योद्धा युद्ध में आया है, तब हमें कहीं और आगे बड़ा सोचने की आवश्यकता है। हमें क्षितिज से परे सैन्य साजो–सामान के क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की आवश्यकता है। जितने महत्वपूर्ण हमारे सैनिकों का शौर्य और प्रदर्शन है, उतने

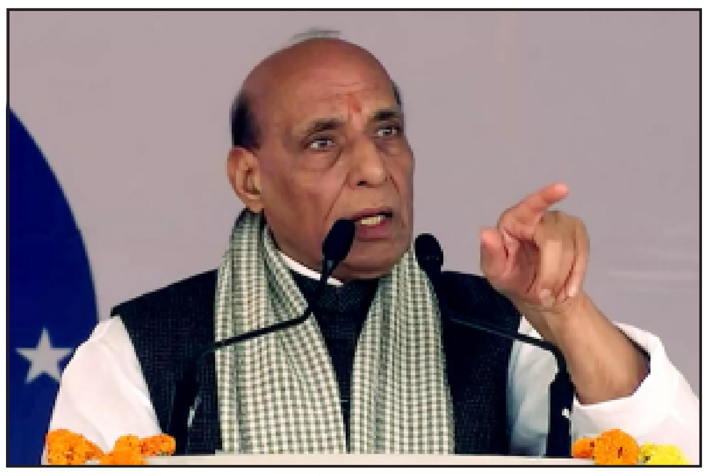

ही महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म, उपकरण और नई–नई तकनीकें भी हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। जमीन से लेकर आसमान तक, कृषि मशीनों से लेकर क्रायोजेनिक इंजन तक, हर क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। हमने इस बात को भलीभांति समझा है कि लगातार तेजी से बदलती दुनिया में आत्मनिर्भरता हमारे लिए कोई विकल्प नहीं है बल्कि यह एक जरूरत है। उन्होंने कहा कि सेना और सैन्य संबंधित साजो सामान की जब बात आती है, तो इसमें भारत जैसे देश का आत्मनिर्भर होना इसलिए भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि हम अपनी सीमाओं पर दोहरे खतरे का सामना करने के साथ–साथ युद्ध के नए आयाम का सामना कर रहे हैं। राजनाथ ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सेना सबसे महत्वपूर्ण अंग होती है। एक सशक्त सेना के बगैर आप न तो अपने राष्ट्र की सीमा की सुरक्षा कर सकते हैं, और न ही अपनी सभ्यता व संस्कृति की। उन्होंने कहा कि सन 1971 के ूंत में जब हमें साजो–सामान की सबसे अधिक जरूरत हुई, तो हमें साजो–सामान देने से इंकार कर दिया गया। हमें दूसरा रास्ता खोजना पड़ा। कारगिल युद्ध का उदाहरण लीजिये। जिस समय हमारी सेनाओं को साजो–सामान की सख्त जरूरत हुई, उस समय वे देश हमें शांति का पाठ पढ़ाने लगे, जो पारंपरिक रूप से हमें हथियार आपूर्ति करते आ रहे थे। कहने का मतलब कब कोई देश जरूरत के समय पीठ दिखा दे, कोई भरोसा नहीं है। इसलिए अपने आप को मजबूत करने के अलावा हमारे पास कोई दूसरा विकल्प ही नहीं है। भाजपा नेता ने कहा कि देश अपने अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। 2047 तक हम एक विकसित भारत के निर्माण के साथ तो आगे बढ़ ही रहे हैं। लेकिन मेरा मानना है कि 2047 तक हम जिस विकसित भारत का सपना देख रहे हैं वह सिर्फ आर्थिक रूप से ही शक्तिशाली ना हो बल्कि हमारा विकसित भारत सैन्य क्षेत्र में भी पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है, कि हम सब आपस में मिलकर अगर इसी तरह से कार्य करते रहें, वह दिन दूर नहीं जब भारत रक्षा क्षेत्र में पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो जाएगा। इसके अलावा रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भी हम दुनिया के शीर्ष रक्षा निर्यातक में शामिल होंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को पंजाब और हरियाणा में रैलियों को संबोधित करेंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह रविवार को पंजाब के गुरदासपुर और हरियाणा के सिरसा में दो रैलियों को संबोधित करेंगे। भाजपा के एक नेता ने कहा कि शाह केंद्र में पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में लोगों को बताएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह रविवार को पंजाब के गुरदासपुर और हरियाणा के सिरसा में दो रैलियों को संबोधित करेंगे। भाजपा के एक नेता ने कहा कि शाह केंद्र में पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में लोगों को बताएंगे। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर उसकी उपलब्धियों के बारे में जानकारी देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से एक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। शाह की दोनों रैलियों के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पंजाब पुलिस के एक

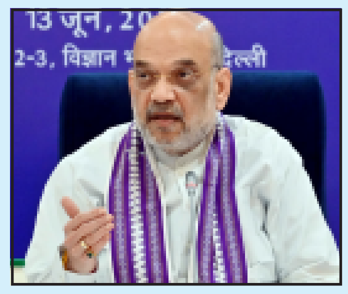

अधिकारी ने कहा कि गुरदासपुर में रैली के लिए सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शाह के हरियाणा के सिरसा दौरे के लिए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 15 अधिकारियों सहित 30 से अधिक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सुरक्षा की निगरानी करेंगे। सिरसा के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) अजायब सिंह ने शनिवार को कहा, ''सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।'' हरियाणा के पुलिस महानिदेशक पी के अग्रवाल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सिरसा में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।सूत्रों ने कहा कि रविवार की रैली से पहले कई किसान नेताओं सहित लगभग 130 लोगों को हरियाणा पुलिस ने निगरानी में रखा है और उनके संबंधित पुलिस थानों द्वारा नोटिस जारी कर उन्हें शपथ पत्र देने के लिए कहा गया है कि वे कानून और व्यवस्था को बाधित नहीं करेंगे। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर अपने महीने भर चलने वाले जनसंपर्क अभियान के तहत बड़े पैमाने पर लोगों को पार्टी से जोड़ने की कवायद शुरू की है।

त्रिपुरा में बोले नड्डा, मोदी के नेतृत्व में बदली भारत की तस्वीर और तकदीर, देश में हुए अभूतपूर्व परिवर्तन

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हम नारा लगाते थे कि एक देश में दो निशान–दो विधान नहीं चलेंगे। इस पर आगे बढ़ते हुए हमने धारा–370 को धराशायी कर

दिया और कश्मीर को संपूर्णता के साथ भारत से जोड़ दिया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा त्रिपुरा के दौरे पर है। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर उन्होंने आज अगरतला में एक जनसभा को संबोधित किया। भाजपा अध्यक्ष ने साफ तौर पर कहा कि इन 9 सालों में भारत की तस्वीर और तकदीर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने बदल डाला है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत का नाम भ्रष्टाचारी देशों में सम्मिलित था। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपीए की सरकार में 2014 में ना जमीन छोड़ी, ना आकाश छोड़ा, ना पाताल छोड़ा, तीनों जगह भ्रष्टाचार ही किया...आज मोदी जी ने 13,125 किलोमीटर की सड़क बनाकर सारे बॉर्डर को सुरक्षित कर दिया है।नड्डा ने कहा कि 2014 के बाद च्ड मोदी ने भारत को निर्णय लेने वाला और मजबूत देश बना दिया है। उन्होंने कहा कि आज भारत ।झ–203 जैसी राइफल बना रहा है, प्रचंड हेलीकॉप्टर बना रहा है और हमने ष्छै विक्रांत जैसा लड़ाकू जहाज भी बना कर दिखा दिया है और आज वो भारतीय सेना के बेड़े में शामिल है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में, हमारी सीमाओं को सुरक्षित करके भारत की सुरक्षा को मजबूत किया गया है। साथ ही 2014 से विकासवाद वंशवाद को हरा रहा है, शरिपोर्ट कार्ड पॉलिटिक्सश श्वोट–बैंक पॉलिटिक्सश को हरा रहा है। पिछले 9 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है।भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हम नारा लगाते थे कि एक देश में दो निशान–दो विधान नहीं चलेंगे। इस पर आगे बढ़ते हुए हमने धारा–370 को धराशायी कर दिया और कश्मीर को संपूर्णता के साथ भारत से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि डोकलाम के समय चीन कि फौज खड़ी तो भारत की फौज भी डट कर खड़ी रही और उनको वहीं पर ही रोके रखा।जेपी नड्डा ने कहा कि हम दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था थे लेकिन आज मोदी जी के नेतृत्व में हम ब्रिटेन को पछाड़ कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत 470 ।पतठने विमान खरीदने जा रहा है और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कहते हैं कि वर्ष 2050 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत दुनिया की सबसे fastest growing economy है।

कांग्रेस में शामिल होने के बजाय कुएं में कूद जाऊंगा, एक घटना को याद करते हुए बोले नितिन गडकरी

नई दिल्ली। नितिन गडकरी ने साफ तौर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने पिछले नौ वर्षों में देश में कांग्रेस के 60 वर्षों के शासन की तुलना में दोगुना काम किया है।केंद्रीय मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता नितिन गडकरी ने कहा है कि एक राजनेता ने एक बार उन्हें कांग्रेस में शामिल होने की पेशकश की थी, जिस पर उन्होंने जवाब दिया था कि वह उस पार्टी का सदस्य बनने के बजाय कुएं में कूदकर मर जाना पसंद करेंगे। नितिन गडकरी ने साफ तौर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने पिछले नौ वर्षों में देश में कांग्रेस के 60 वर्षों के शासन की तुलना में दोगुना काम किया है। नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर शुक्रवार को महाराष्ट्र के भंडारा में एक सभा को संबोधित करते हुए गडकरी ने भाजपा के लिए काम करने के अपने शुरुआती दिनों को याद किया और पार्टी की यात्रा के बारे में बात की। उन्होंने दिवंगत कांग्रेस नेता श्रीकांत जिचकर द्वारा एक बार दी गई पेशकश को भी याद किया। गडकरी ने कहा, षजिचकर ने एक बार मुझसे कहा – आप एक बहुत अच्छे पार्टी कार्यकर्ता और नेता हैं।

नेहरू मेमोरियल के नामकरण पर राजनीतिक घमासान जारी, भाजपा बोली- एक परिवार के अलावा कांग्रेस को कुछ नहीं दिखता

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस भाजपा पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है तो वहीं, भगवा पार्टी की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। कांग्रेस जहां सरकार पर पंडित नेहरू का नाम मिटाने का आरोप लगा रही है तो वहीं भाजपा का दावा है कि कांग्रेस को एक परिवार के अलावा कुछ नहीं दिखता।केंद्र सरकार ने नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदलकर प्राइम मिनिस्टर्स म्यूजियम एंड सोसाइटी कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी। बैठक में इस बात का फैसला लिया गया। इस मामले को लेकर राजनीति भी जारी है। कांग्रेस भाजपा पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है तो वहीं, भगवा पार्टी की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। कांग्रेस जहां सरकार पर पंडित नेहरू का नाम मिटाने का आरोप लगा रही है तो वहीं भाजपा का दावा है कि कांग्रेस को एक परिवार के अलावा कुछ नहीं दिखता। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस एक परिवार से आगे नहीं देख सकती। उन्होंने कहा कि यह एक फैमिली लिमिटेड कंपनी है, एक फैमिली लिमिटेड एंटरप्राइज

है। अगर पीएम एचडी देवेगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल, चरण सिंह, चंद्रशेखर और अन्य लोगों को सम्मान दिया जाता है, जिन्होंने इस देश में योगदान दिया, लेकिन उन्हें एक परिवार से संबंधित होने का सौभाग्य नहीं मिला, अगर उनके योगदान को एक संग्रहालय में मनाया जाता है तो यह तानाशाही नजरिया क्यों है? कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने कहा कि वे सोचते हैं कि पंडित नेहरू का नाम बोर्ड से हटाने से पंडित नेहरू का व्यक्तित्व कम हो जाएगा। नेहरू जी को लोग आधुनिक भारत का निर्माता मानते हैं। मैं मोदी जी को अटल बिहारी वाजपेयी का एक कथन याद दिलाना चाहता हूं क्योकिं आप उन्हें भी अपना नेता नहीं मानते हो। उन्होंने कहा था कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं बन पाएगा। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि पंडित नेहरू ने देश को बनाने में येगदान दिया है उन्होंने आजादी की लड़ाई में भी योगदान दिया था। देश में कई प्रधानमंत्री हुए और सभी ने देश के लिए काम किया है। लेकिन संग्रहालय का नाम बदलने की जरूरत नहीं थी। नेहरू के नाम से ही संग्रहासय चल सकता था। उसी में आप बढ़ा स्थान सभी को दे सकते थे। पंडित नेहरू से नफरत के कारण ये किया गया है। भाजपा के सुशील मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने उनके (जवाहरलाल नेहरू) योगदान को संग्रहालय में ठीक से प्रदर्शित नहीं किया। मैंने संग्रहालय का दौरा किया और उनके कुछ दस्तावेज, और कुर्सियाँ रखी हुई थीं लेकिन अब यह बहुत अच्छी तरह से प्रदर्शित है। पहले यह केवल जवाहरलाल नेहरू पर केंद्रित था लेकिन अब सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान को दिखाया गया है और इसलिए नाम केवल जवाहरलाल नेहरू के नाम पर नहीं हो सकता।

ईडी ने अमृता फडणवीस से जबरन वसूली की कोशिश करने वाले सट्टेबाज जयसिंघानी की 3.4 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुकी अनिल जयसिंघानी की 3.4 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। अनिल जयसिंघानी ने अपनी बेटी के साथ कथित तौर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस से जबरन वसूली और ब्लैकमेल करने की कोशिश की।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुकी अनिल जयसिंघानी की 3.4 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। अनिल जयसिंघानी ने अपनी बेटी के साथ कथित तौर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस से जबरन वसूली और ब्लैकमेल करने की कोशिश की। 2015 में गुजरात की वडोदरा पुलिस द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर अनिल जयसिंघानी सहित विभिन्न क्रिकेट सट्टेबाजों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी का मामला शुरू किया गया था।ईडी ने कहा, ष्जांच के दौरान, यह पता चला कि अनिल जयसिंघानी क्रिकेट सट्टेबाजी की गतिविधियों में शामिल था और उसने अपनी धोखाधड़ी गतिविधियों के माध्यम से, मारुति–अहमदाबाद से जुड़े व्यक्तियों के माध्यम से बड़ी रकम जमा की थी, जो सट्टेबाजी की गतिविधियों में लगी हुई थी। सूत्रों के मुताबिक ईडी बुकी की और भी संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया में है।अधिकारियों

के अनुसार, अनिल जयसिंघानी 2015 से ईडी के सम्मन से बच रहे थे और 2015 में उनके खिलाफ एक विशेष अदालत द्वारा गैर–जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किए जाने के बावजूद पीएमएलए जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे। उन्हें ईडी ने 8 अप्रैल, 2023 को आईपीएल सट्टेबाजी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी ने 9 जून को उनके परिसरों में भी तलाशी ली थी।अधिकारियों ने पीएमएलए स्पेशल कोर्ट, अहमदाबाद के समक्ष 6 जून, 2023 को अनिल जयसिंघानी के खिलाफ चार्जशीट भी दायर की है।पिछले महीने मुंबई पुलिस ने अनिल और उनकी बेटी अनीक्षा के खिलाफ अमृता फडणवीस को जबरन वसूली और ब्लैकमेल करने के आरोप में चार्जशीट दायर की थी। अमृता फडणवीस द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार, अनिक्षा ने अमृता को एक डिजाइनर के रूप में पेश किया और फिर उससे दोस्ती की। अमृता कपड़ों और गहनों की उनकी नियमित ग्राहक बन गईं, जिन्हें उन्होंने कार्यक्रमों के लिए किराए पर लिया था। अनिक्षा ने धीरे–धीरे अमृता को विश्वास में लिया और उसे बताया कि उसके पिता अनिल जयसिंघानी सट्टेबाजों और उनके संचालन के बारे में जानते हैं।अनिक्षा ने अमृता को सुझाव दिया कि वह अपनी राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल उन सट्टेबाजों पर छापा मारने के लिए करें और उन दोनों के लिए पैसा कमाएं। अनीक्षा ने कथित तौर पर अपने पिता के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को खारिज करने के लिए अमृता से मदद मांगी थी, जिसके बारे में उनका दावा था कि ये झूठे थे।अमृता ने तब अनीक्षा से संपर्क तोड़ दिया और उनके साथ सभी संचार बंद कर दिए।मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी अनिल जयसिंघानी ने तब अमृता फडणवीस को 1 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की, और उनसे अपने पति को प्रभावित करने और उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए कहा।

विपक्षी एकता में तेजी आने से चिंतित भाजपा आम चुनाव करवा सकती है : नीतीश

एजेंसी

नई दिल्ली। मंत्रिमंडल में यह जगह मांझी के बेटे संतोष सुमन के इस्तीफे से खाली हुयी थी, जो प्रदेश सरकार में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) कल्याण विभाग संभाल रहे थे।देश में समय पूर्व लोकसभा चुनाव कराये जाने का अनुमान व्यक्त करने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि इसकी संभावना विपक्षी एकता के उनके अभियान के जोर पकड़ने से सत्तारूढ़ भाजपा के डर के कारण पैदा हुई है। संवाददाताओं से यहां बातचीत में नीतीश ने सत्तारूढ़ महागठबंधन से पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को निकाले जाने का बचाव करते हुये आरोप लगाया कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संस्थापक वस्तुतरू भारतीय जनता पार्टी के लिये विपक्षी दलों की जासूसी कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''समय पूर्व चुनाव की बात मैंने ऐसे ही कही थी, लेकिन इसकी प्रबल संभावना है। जो लोग केंद्र की सत्ता में बैठे हैं, उन्हें इस बात की भनक है कि विपक्षी खेमे में काफी गतिविधि चल रही है।''विपक्षी एकता के प्रयास के तहत भारतीय जनता पार्टी के विरोधी विभिन्न दलों के नेता यहां 23 जून को एक बैठक के लिए जुटेंगे। जद(यू) के शीर्ष नेता पार्टी विधायक रत्नेश सदा के मंत्री पद की शपथ लेने के बाद राजभवन में पत्रकारों से बात कर रहे थे। मंत्रिमंडल में यह जगह मांझी के बेटे संतोष सुमन के इस्तीफे से खाली हुयी थी, जो प्रदेश सरकार में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) कल्याण विभाग संभाल रहे थे। रत्नेश सदा को एससी और एसटी कल्याण विभाग के आवंटन की पुष्टि करने वाली कैबिनेट की अधिसूचना उनके शपथ ग्रहण के तुरंत बाद आई। मांझी ने हाल ही में कहा था कि 2014 में लोकसभा चुनाव में जद(यू) की हार के बाद हुयी शर्मिंदगी से बचने के लिये नीतीश ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया था, इस पर नीतीश ने कहा कि उन्होंने पार्टी सदस्यों की इच्छा के खिलाफ पद छोड़ा था। उन्होंने कहा, ''कोई भी नहीं चाहता था कि मैं इस्तीफा दूं, लेकिन मैं अपनी बात पर कायम रहा। पार्टी के लोगों में इस बात पर आम सहमति नहीं थी कि मेरा उत्तराधिकारी कौन होगा। इसलिए मुझे हस्तक्षेप करना पड़ा और मैंने मांझी को यह सोचकर चुना कि अनुसूचित जाति का एक व्यक्ति प्रदेश का मुख्यमंत्री बने।'' एक साल से भी कम समय के भीतर मांझी को पद से हटाने के लिए विरोधियों की आलोचना का सामना करने वाले नीतीश ने कहा, ''उन्होंने (मांझी) दो महीने के भीतर सबकुछ गड़बड़ करना शुरू कर दिया। मेरे पास हस्तक्षेप करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था।'' नीतीश ने जोर देकर कहा कि मांझी और उनके बीच तकरार होने के बावजूद, उन्होंने 'हम' प्रमुख को हमेशा सम्मान

दिया, और 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले ''जब उन्होंने हाथ मिलाने की इच्छा जताई, तो भारतीय जनता पार्टी उनके साथ सीट पर समझौता करने के लिये तैयार नहीं थी, इसलिये हमने अपने कोटे से कुछ सीट उन्हें दी।''मुख्यमंत्री ने मांझी को उनकी 'वफादारी' का कभी भी सम्मान नहीं किए जाने का राग अलापने के लिए फटकार लगाई। उन्होंने यह इंगित किया कि जब उन्होंने (मांझी ने) महागठबंधन में आने का फैसला किया, तो सुमन का मंत्री पद बरकरार रखा गया था। महागठबंधन के द्वार बंद किये जाने के बाद मांझी ने आरोप लगाया था कि कुमार ने उनसे उनकी पार्टी 'हम' का जद (यू) के साथ 'विलय' करने या छोड़ने के लिए कहा था। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों से इंकार नहीं किया, लेकिन इस मामले में अपना पक्ष रखा। अप्रैल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मांझी की मुलाकात का जिक्र करते हुए नीतीश ने कहा, ''हाल के समय में उन्होंने भाजपा के नेताओं के साथ मेलजोल करना शुरू कर दिया था।वह 23 जून की बैठक का हिस्सा बनने के लिए भी बहुत जोर दे रहे थे। उन्होंने कहा, वह 23 जून को विपक्षी नेताओं की बैठक का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन मुझे आशंका थी कि वह उन मुद्दोंध्मामलों को लीक कर सकते हैं, जिन पर 23 जून को देश भर के विभिन्न नेताओं के बीच चर्चा की जाएगी।

सम्पादकीय

मायूसी एक भ्रम है!

हमेशा ऐसा ही रहेगा, जब दुनिया विकास के पथ पर नए मुकाम हासिल करेगी, लेकिन लोग यही कहते सुने जाएंगे कि चीजें पहले बहुत अच्छी थीं। एक ताजा अध्ययन से भी इसी बात की पुष्टि हुई है। लोग मान रहे हैं कि नैतिकता का पतन हो रहा है।

तकरीबन तीन दशक पहले निराशावाद पर एक किताब आई थी। उसमें कहा गया था कि दुनिया में हमेशा ऐसा रहेगा, जब दुनिया विकास के पथ पर नए मुकाम हासिल करेगी, लेकिन लोग यही कहते सुने जाएंगे कि चीजें पहले बहुत अच्छी थीं। एक ताजा अध्ययन से सामने आए निष्कर्ष ने उस किताब की याद ताजा कर दी है। आज अधिकांश लोग यही मान कर चल रहे हैं कि मनुष्य में दया, दूसरे के लिए सम्मान का भाव, और ईमानदारी जैसे गुण खत्म होते जा रहे हैं। बहरहाल, मनोवैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि ऐसी राय सिर्फ एक स्वभावगत भ्रम है। नए अध्ययन की रिपोर्ट मशहूर पत्रिका नेचर के ताजा अंक में प्रकाशित हुई है। अध्ययन 60 देशों में हुए एक सर्वेक्षण पर आधारित है। इस सर्वे के दौरान ज्यादातर लोगों ने यही राय जताई कि बीते छह–सात दशकों में नैतिकता में भारी गिरावट आई है। यह अध्ययन अमेरिका के कोलंबिया बिजनेस स्कूल में अनुसंधानकर्ता एडम मैस्त्रियानी के नेतृत्व में हुआ।

इस दौरान लोगों से एक सवाल यह पूरा गया कि उनकी राय में 2020, 2010 और साल 2000 में कौन सा ऐसा वक्त था, जब स्थितियां बेहतर थीं। दौरान आम राय उभरी की अब दया की भावना और नैतिकता में गिरावट आई है। ऐसी राय हाई स्कूल में पढ़ रहे छात्रों से लेकर उनके माता–पिता की पीढी तक ने जताई। लिबरल से लेकर कंजरवेटिव दोनों तरह के व्यक्तियों को इस मामले में एकमत पाया गया। मगर खुद इसी अध्ययन से जुड़े विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि दशकों पहले हुए सर्वेक्षणों में भी लोगों ने ऐसी ही राय जताई थी। इसका अर्थ यह हुआ कि नैतिक पतन की बात एक भ्रम है। दरअसल, ऐसे कई संभव कारण हो सकते हैं, जिनकी वजह ऐसा भ्रम पैदा होता है। मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इनसान का स्वभाव ऐसा है, जिसमें वह नकारात्मक सूचनाओं पर अधिक ध्यान देता है। इसके अलावा देखा गया है कि मनुष्य की बुरी यादें अच्छी यादों की तुलना जल्दी भूल जाती हैं। ऐसे में अक्सर यह महसूस होता है कि पहले स्थितियां बेहतर थीं। यानी मनुष्य का यही स्वाभाव ऐसे भ्रम का कारण बनता है।

राहुल अकेले, न थके, न डरे और न निराश हुए!

शकील अखध्तर

राहुल का कोई इलाज है नहीं। भाजपा और गोदी मीडिया के साथ कांग्रेसियों के पास भी नहीं। ऐसी शख्सियतें कुदरत खुद बनाती है। और उसमें वे साफ्ट और हार्ड वेयर होते हैं जो बदलते नहीं। गोदी मीडिया रोज पूछता था राहुल का प्रोग्राम खत्म हो गए अब वे क्या कर रहे हैं। राहुल ने खुद ही बता दिया कि वे भारत के बाद अब अमेरिका में ट्रकों में घूम रहे हैं।राहुल जिस तरह देश को और देश को लोगों को जानने की कोशिश कर रहे हैं। उससे कुछ पुराने लोगों के नाम याद आ जाते हैं। लेकिन यह कोई तुलना नहींहैं। वे बड़े लोग थे इसलिए उनका काम याद आना स्वाभाविक है। हां बस इतनाकह सकते हैं कि राहुल गांधी शायद उस रास्ते पर चलने की कोशिश कर रहे हैं।पहला नाम तो फारुख अब्दुल्ला ने तब लिया था जब राहुल अपनी भारत जोड़ोयात्रा को लेकर जम्मू कश्मीर के बार्डर लखनपुर पर पहुंचे थे। वहां उनकास्वागत करने आए जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला नेकहा था इस तरह दक्षिण से पैदल चलते हुए इससे पहले केवल आदि शंकराचार्यकश्मीर आए थे। हम लोगों ने उन्हें देखा नहीं। बस सुना है। मगर आज राहुलगांधी आए हैं। और हम सब इस ऐतिहासिक क्षण के गवाह बन रहे हैं। राहुल कीखासियत यह है कि वे किसी भी प्रशंसा से प्रभावित नहीं होते हैं। आलोचनाकी तरह प्रशंसा को भी सामान्य भाव से लेते हैं।खैर। दूसरा नाम जो अपने आप याद आते है वह महान यायावर राहुल सांकृत्यायनका है। फिर कह रहे हैं कि यह कोई तुलना नहीं। सिर्फ इतना है कि राहुलगांधी उस रास्ते पर चलते दिख रहे हैं। बड़े लोगों के रास्ते पर चलना भीबहुत कठिन है। बड़े लोग नए रास्ते बनाते हैं। कांटों से भरे हुए। अनजान।राहुल साकृंत्यायन तिब्बत, चीन. नेपाल, श्रीलंका, सोवियत संघ, जापान,कोरिया, ईरान, इंग्लेंड, यूरोप जाने कहां कहां और देश में हर जगह लद्दाख,कश्मीर गए। सीखने, जानने। राहुल कैलाश मानसरोवर की पैदल यात्रा कर आए।अभी पांच महीने लगातार चलते रहे। चरैवेती, चरैवेती! कन्याकुमारी सेश्रीनगर तक चार हजार किलोमीटर की यात्रा। बहुत फास्ट। हर रोज सुबह छह बजेनिकलना चाहते थे। पच्चीस किलोमीटर रोज। मगर साथ में सौ से ज्यादा भारतयात्री थे। मतलब जो लगातार कन्याकुमारी से कश्मीर तक साथ चले। इनमेंमहिलाएं भी थीं। और बुजूर्ग भी।राहुल सबका ख्याल रखते हैं। रोज रात कोसबके साथ खाना खाते हुए सुबह छह बजे निकलने का मजाक भी करते थे। और छहबजे तैयार होकर खुद अपने कंटेनर से बाहर आकर वार्मअप करते हुए सात बजे तकसबका इंतजार भी करते थे। फिर राष्ट्रगान के बाद तिरंगा फहराकर चलने सेपहले आज 25 से कम नहीं चलना है, का चौंलेज देते हुए शरारती मुस्कान के साथअपने तेज कदम बढ़ा देते थे। मगर शाम को 20– 21 किलोमीटर पर समझौता करलेते थे। कभी कभी 22 दृ 23 किलोमीटर भी चला दिया है। उस दिन हंसकर कहते थेकि लगता है कल आप सब 25 से कम पर नहीं रुकेंगे!राहुल का खुद का स्टेमना जबर्दस्त है। और उससे भी बढ़कर उनकी विल पावर (आत्मबल)। या उसे एक हद तक जिद भी कह सकते हैं। पूरी सर्दी टी शर्ट हीपहने रहे। मां सोनिया गांधी, बहन प्रियंका गांधी किसी की नहीं सुनी। वहतो यात्रा के समापन पर श्रीनगर के शेर ए कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम मेंजबर्दस्त बर्फबारी हो रही थी राहुल ने फिरन (एक ओवरकोट नुमा कश्मीरीवस्त्र) पहन लिया था नहीं तो वहां भी वे अपनी युनिफार्म बना ली सफेद टीशर्ट में ही दिखते।देखिए कितना मजेदार है अपने यहां कि यह भारत की सबसे लंबी लगातार पैदलयात्रा मगर इस पर अभी तक कोई किताब नहीं। तत्काल लिखने वालों की किताबेंतो 15 दिन में आ जाती हैं। और बिक भी जाती हैं। मगर लेखन के सारे मसालेहोने का बावजूद करीब साढ़े चार महीने हो गए किसी लोकप्रिय लेखक की हिम्मतइस पर लिखने की नहीं हुई। कोई गंभीर लेखक, पत्रकार लिख रहे हों तो पतानहीं। मगर उनकी भी किताब आएगी तभी जब सत्ता बदल जाए।इस समय तो ट्वीटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी कह रहे हैं कि किसान आंदोलनके समय ट्विटर पर सरकार ने कितना दबाव डाला था। और छापे मारने की धमकियांदी थीं। बीबीसी पर तो मारे ही गए। ऐसे में कौन राहुल की इस प्रेम भरी,नफरत विरोधी यात्रा पर किताब लिखने का साहस करेगा। हो सकता है अभी जबइसका पार्ट टू हो जाए। पूर्व से पश्चिम का तो सबसे पहले किसी विदेशी लेखककी ही किताब हमारे सामने आ जाए। आखिर फादर कामिल बुल्के का नाम राम कथाकी उत्पत्ति पर सबसे प्रमाणिक शोध के लिए लिया जाता है। ऐसे ही बहुत सारेविदेशी लेखक हैं जिन्होंने भारत पर और भारतियों पर बहुत अच्छा लिखा है।जिस फिल्म के बारे में मोदी ने कहा हांलाकि यह जरा भी सच नहीं कि गांधीफिल्म से दुनिया ने गांधी को जाना मगर फिर भी गांधी पर सबसे अच्छी फिल्मरिचर्ड एटनबरो द्वारा (विदेशी) बनाई गई थी। तो हो सकता है सबसे पहलीभी और विस्तृत भी किताब किसी विदेशी की हो।बहरहाल अगर सरकार कोई और आती है तो केवल राहुल की भारत जोड़ो यात्रा परही नहीं, किसान आंदोलन, कोरोना की मौतें, नदियों में शव बहाना, रेत मेंगाड़ देना, पुलों से नीचे फैकना, मजदूरों का हजारों किलमीटर बच्चों,बुजुर्गों के साथ पैदल अपने गांवों के लिए जाना। भारत की सबसे कठिन औरमजबूरी की तो यह यात्रा रही है।साहित्य में ऐसी मानवीय त्रासदियों पर बहुत गहराई से और संवेदना के साथलिखा गया है।

कांग्रेस से कुर्बानी की उम्मीद के कारण विपक्ष में एकता हो पाना मुश्किल

योगेंद्र योगी

हिमाचल और कर्नाटक का चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस के मंसूबे सातवे आसमान पर हैं। कांग्रेस को भी अंदाजा है कि है कि भाजपा के साथ–साथ विपक्षी दलों के प्रभाव वाले राज्यों में चुनाव लड़े बगैर केंद्र में सरकार बनाने और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने का सपना पूरा नहीं हो सकता।

विपक्षी दल आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस की कुर्बानी चाहते हैं। कांग्रेस इस एकता के पीछे छिपे विपक्षी दलों के अपने राज्यों में अकेला रहने की नीयत को अच्छी तरह पहचानती है। इस एकता की कवायद को लेकर विपक्षी दलों की हालत इधर कुआ और उधर खाई जैसी हो गई है। विपक्षी दलों को भाजपा के साथ ही कांग्रेस से भी खतरा है। भाजपा से मुकाबले में वोटों के बिखराव को रोकने के लिए विपक्षी दल कांग्रेस को भी अपने जनाधार वाले राज्यों से चुनावी मैदान से हटाने चाहते हैं। ऐसे में विपक्षी एकता के लिए 23 जून को नीतिश कुमार के आह्वान पर पटना में होने वाली बैठक में एकराय कायम करने का मामला खटाई में पड़ता नजर आ रहा है।

गौरतलब है कि हिमाचल और कर्नाटक का चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस के मंसूबे सातवे आसमान पर हैं। कांग्रेस को भी अंदाजा है कि है कि भाजपा के साथ–साथ विपक्षी दलों के प्रभाव वाले राज्यों में चुनाव लड़े बगैर केंद्र में सरकार बनाने और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने का सपना पूरा नहीं हो सकता। कांग्रेस ने बेशक अपनी महत्वाकांक्षा का खुलकर इजहार नहीं किया है, किन्तु उसके इरादो से साफ जाहिर है कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है। विपक्षी दल चाहते हैं कि कांग्रेस सिर्फ उन्हीं 200 संसदीय सीटों पर फोकस करना चाहिए, जहां बीजेपी से उसका सीधा मुकाबला है। विपक्ष की शर्तों पर कांग्रेस राजी नहीं है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए हो रही विपक्षी एकता के मसले पर जो बात ममता कह रही हैं वही अखिलेश और केसीआर भी कह रहे हैं कि जहां पर जो दल मजबूत है, वो चुनाव लड़े और विपक्ष के बाकी दल उसे समर्थन करें। लेकिन कांग्रेस इस पर रजामंद नहीं है। कांग्रेस को पता है कि इन जहां भाजपा से सीधा मुकाबला है, वहां तीसरा मजबूत दल नहीं है। इसलिए विपक्ष की यह खैरात कांग्रेस को पसंद नहीं है। इन सीटों पर अन्य दल चाह कर भी कांग्रेस और भाजपा के बीच आकर मुकाबले त्रिकोणीय या बहुल नहीं बना सकते, ऐसे में कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के आधार वाले राज्यों में चुनाव नहीं लडने की शर्त को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

कांग्रेस उन 200 लोकसभा सीटों पर तो चुनाव लडना चाहती है, जिस पर उसे सीधे बीजेपी से लडना है। इसके साथ–साथ कांग्रेस की नजर उन राज्यों की सीटों पर भी है, जहां भाजपा के मुकाबले क्षेत्रीय दल मजबूत हैं। लेकिन क्षत्रप अपने राज्यों में कांग्रेस को स्थान नहीं देना चाहते हैं, क्योंकि उनका सियासी आधार कांग्रेस की जमीन पर खड़ा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव समेत तमाम विपक्षी दल के नेता चाहते हैं कि कांग्रेस उनके प्रभाव वाले राज्यों से चुनाव नहीं लड़े, ताकि भाजपा से सीधे मुकाबले में वोटों का बंटवारा नहीं हो। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि हमने अनुमान लगाया है कि कांग्रेस 200 सीटों पर मजबूत है। अगर कांग्रेस कुछ अच्छा चाहती हैं तो कुछ जगहों पर त्याग भी करना पड़ता है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश (सपा) को प्राथमिकता देनी होगी। ममता ने दूसरे राज्यों का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि बंगाल, दिल्ली, तमिलनाडु, झारखंड, पंजाब, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा में जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाली पार्टियों को प्राथमिकता देनी चाहिए। बिहार में नीतीश, तेजस्वी और कांग्रेस साथ हैं तो वे फैसला ले सकते हैं। विपक्षी दलों को लगता है कि कांग्रेस उनके प्रदेश में अगर मजबूत होती है, तो भविष्य में उनके लिए ही चिंता बढ़ा सकती है। इसीलिए विपक्षी दल कांग्रेस को उन्हीं सीटों के इर्द–गिर्द रखना चाहतें हैं, जहां उसका मुकाबला सीधा भाजपा से है। कांग्रेस इस बात को समझती है कि केंद्र की सत्ता को दोबारा से हासिल करनी है तो उसे पहले राज्यों में मजबूत होना होगा, इसीलिए कांग्रेस विपक्षी एकता से ज्यादा फोकस राज्यों के चुनाव पर कर रही है ताकि पहले खुद मजबूत हो ले। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष द्वारा कांग्रेस को सुझााई जा रही 200 सीटों के नतीजों को देखें तो बीजेपी 178 सीटें जीतने में सफल रही थी। कांग्रेस को महज 16 सीटें मिली थीं। 6 सीटें अन्य के खाते में गई थीं। इससे पहले वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में इन 200 सीटों में से बीजेपी 168 सीटें जीतने में कामयाब रही थी और कांग्रेस को सिर्फ 25 सीटें मिली थीं। इसके अलावा 7 सीटें दूसरे दलों ने जीती थीं।

कांग्रेस–विपक्षी दल के अपने–अपने मकसद हैं। यूपी में सपा और बसपा का सियासी आधार आज वही है जो कभी कांग्रेस का हुआ करता था। इसी तरह बंगाल में ममता बनर्जी भी कांग्रेस की जमीन पर ही खड़ी हैं। लोकसभा चुनाव के नजरिये से उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण स्थान है। दिल्ली की कुर्सी का रास्ता उत्तर प्रदेश से ही होकर गुजरता है। इसका कारण है कि यहां सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीटें हैं। जो पार्टी जितनी ज्यादा सीटों पर कब्जा जमा लेगी वही केंद्र में सरकार बनाने में मजबूत रहेगी। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी चाहती है कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश से दूर रहे। कांग्रेस किसी भी सूरत में उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़े बगैर नहीं रह सकती है। कांग्रेस का राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने और केंद्र में गठबंधन सरकार में मुख्य भागीदारी का सपना उत्तर प्रदेश के बगैर पूरा नहीं हो सकता।कांग्रेस और बीजेपी के बीच ज्यादातर सीधा मुकाबला उत्तर भारत के राज्यों में है। मध्य प्रदेश (29), कर्नाटक (28), राजस्थान (25), छत्तीसगढ़ (11), असम (14), हरियाणा (11) हिमाचल (4), गुजरात (26), उत्तराखंड (5), गोवा (2), अरुणाचल प्रदेश (2), मणिपुर (2), चंडीगढ़ (1), अंडमान और निकोबार (1) और लद्दाख (1) में लोकसभा सीट है। इस तरह ये 162 लोकसभा सीटें होती है, जहां पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच ही मुकाबला होना है। वहीं, 38 लोकसभा सीटें उन राज्यों की हैं, जहां क्षेत्रीय दल मजबूत स्थिति में हैं, लेकिन इन सीटों पर मुकाबला कांग्रेस से होता है। इस फेहरिस्त में पंजाब की कुल 13 सीटों में से 4, महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 14, यूपी की 80 में 5, बिहार की 40 में से 4, तेलंगाना की 17 में से 6 और 5 सीटें आंध्र प्रदेश और केरल की हैं।

कर्नाटक के बाद अब मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव नतीजों के वोटिंग ट्रेंड का आंकलन करते हैं तो राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से सिर्फ बीजेपी को 4 सीटों पर बढ़त मिली है जबकि 21 सीटों पर कांग्रेस आगे रही है। इन राज्यों के चुनाव नतीजों को 2024 के लोकसभा चुनाव से जोड़कर देखा जाएगा। इस तरह से 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजे से जो तस्वीर उभरेगी, उसके बाद 2024 के चुनाव का परिदृश्य साफ होगा और उससे पहले तक विपक्षी दलों के बीच शह–मात का खेल जारी रह सकता है। कांग्रेस से अंदरूनी खतरे के कारण पूर्व में भी विपक्षी एकता के प्रयास सिरे नहीं चढ़ सके हैं। सीटों के लिए हो रही इस खींचतान के कारण पटना में होने वाली बैठक से विपक्षी एकता के बहुत उत्साहवर्द्धक परिणाम आने की संभावना क्षीण है।

बिपरजॉय चक्रवात में जनहानि से बचाना आपदा प्रबंधन की बड़ी सफलता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश दुनिया में आये इस तरह के किसी भी तूफान में संभवतः यह पहला प्रबंधन होगा जिसमें लगभग नहीं के बराबर जनहानि हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस तरह के तूफान से हानि तो होनी ही है पर जनहानि को न्यूनतम रखा जाना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी सफलता मानी जा सकती है।

केन्द्र व राज्यों की सरकारों, देश की आपदा प्रबंधन टीम, मौसम विज्ञानियों, तटरक्षक बल टीम व इस अभियान से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से जुडेध सभी के समग्र प्रयासों से अरब सागर पर आये सुपर साइक्लोन बिपरजॉय को गुजरात के लैंड फॉल के दौरान बिफरने से इस तरह बचा लिया कि देश दुनिया में आये इस तरह के किसी भी तूफान में संभवतः यह पहला प्रबंधन होगा जिसमें लगभग नहीं के बराबर जनहानि हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस तरह के तूफान से हानि तो होनी ही है पर जनहानि को न्यूनतम रखा जाना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी सफलता मानी जा सकती है। यह साफ हो जाना चाहिए कि कुदरती आफत को रोका तो नहीं जा सकता पर पूर्व व योजनावद्ध तैयारी से हानि को कम से कम स्तर पर लाया जा सकता है। बिजली की खंभे गिर जाना, टीन टप्पर उड़ जाना, पेड़ गिर जाना आदि नुकसान तो होना ही है पर नुकसान को कम से कम स्तर पर लाना और तात्कालिक राहत की सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करना बड़ी सफलता माना जाना चाहिए। हांलाकि अब गुजरात और राजस्थान में तेज बरसात का दौर चल गया है। प्राप्त समाचारों के अनुसार लैंड फॉल के बाद केवल दो की मौत के समाचार है। हांलाकि जनहानि एक भी होती है तो उसे स्वीकार्य नहीं माना जा सकता पर जिस तरह से इस चक्रवात के सजीव प्रसारणों के दौरान कुछ लोगों को लाख समझाइश के बाद भी लापरवाही से घूमते हुए देखा गया वह किसी दण्डनीय अपराध से कम नहीं माना जाना चाहिए। जिस तरह से बिपरजॉय को लेकर समूचा देश चिंता ग्रस्त रहा उसे देखते हुए और तूफान की भयावहता के बावजूद जिस तरह से मौसम विज्ञानियों की मिनट टू मिनट आकलन सटीक रहा वह मौसम विभाग की भविष्यवाणियों को लेकर अभी तक चली आ रही सभी नकारात्मकता को धो कर रख दिया है। मौसम विभाग ने समय और गति का जिस तरह से आकलन किया वह लगभग खरा उतरा है और हमारे मौसम विज्ञानियों के आकलन ने विश्वस्तर पर लोहा मनवा दिया है।14 जून को आया बिपरजॉय तूफान अब समुद्री रास्ता तय करने के बाद गुजरात

और राजस्थान की जमीं पर तेज हवा और बरसात के माध्यम से दो तीन दिन तक अपना असर दिखायेगा। केन्द्र के साथ ही गुजरात और राजस्थान सरकार हालात से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और यह मानके चलना चाहिये कि इससे जनहानि तो नहीं ही होगी। दरअसल एक समय था जब अरब सागर इस तरह के समुद्री तूफानों का केन्द्र लगभग नहीं के बराबर ही रहता था। पर अब अरब सागर में तूफानी गतिविधियां अधिक होने लगी है। मौसम विज्ञानियों की माने तो अरब सागर क्षेत्र में बढ़ते तापमान से चक्रवातों की तीव्रता और बारबारिता में बढ़ोतरी हुई है। 7516 किमी लंबें तटीय क्षेत्र 8 प्रतिषत उष्ण कटीबंधीय चक्रवात भारत में आ रहे हैं। अरब सागर में आने वाले चक्रवातों से 9 प्रदेशों के 82 करोड़ लोग प्रभावित होने के साथ ही अरबसागरीय तूफान का असर पाकिस्तान और यमन ओमान तक देखा जा सकता है। अरब सागर के यह चक्रवाती तूफान भी देखा जाए तो मई जून यानी की मानसून के आसपास ही देखे गये है। बिपरजॉय को लेकर इसलिए अधिक चिंता और गंभीरता रही कि गुजरात में 1996 और 1998 में आये चक्रवाती तूफानों खासतौर से 1998 के टाइफून के दौरान जिस तरह से पोर्ट के इर्दगिर्द हजारों की संख्या में लोगों की मौत और गुम होने का दंश आज भी गुजरात के लोग सह रहे हैं। ऐसे में बिपरजॉय की भयावहता को देखते चिंतित होना स्वाभाविक भी था। हांलाकि जिस तरह से प्रबंधन दक्षता व परस्पर समन्वय का परिचय दिया गया है उसकी जितनी सराहना की जाएं वह कम है। देष में 2013 के फैलिना तूफान से लेकर, हुदहुद, वरदा, फैनी, अम्फान, ताउते व बिफरजॉय तूफान तक 11 बड़े चक्रवती तूफान आ चुके हैं। दरअसल बिफरजॉय तूफान सुपर साइक्लोन होने के कारण इससे भारी जन–धन हानि होने की संभावना व्यक्त की जा रही थी। यही कारण है कि करीब एक लाख लोगों को गुजरात के तटीय इलाकों खासतौर से मांडवी व आसपास के क्षेत्र से सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। लोगों को सावचेत किया गया। पल पल की जानकारी साझा की जाती रही। लगभग सौ ट्रेनों के फेरे रद्द किए गए या उनकी राह बदली गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्र सरकार के मंत्रीगण, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ना केवल स्थिति पर नजर रखते रहे हैं अपितु उच्चस्तरीय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिपरजॉय तूफान ने बड़ी तबाही मचाई है और बिजली–मोबाइल पोल्स के साथ ही पेड़ों को धराशाही कर और इसी तरह के अन्य नुकसान से अपने तबाही के चिन्ह छोड़े हैं। पर सबसे बड़ी बात जनहानि होने से बचाना और तबाही को कम से कम स्तर पर लाना बड़ी बात होती है। समय पर और सटीक मौसम अनुमान और तैयारियों से निश्चित रुप से जिस तरह की देश ने परिचय दिया है वह पूरी दुनिया के लिए आपदा प्रबंधन की एक मिसाल से कम नहीं माना जा सकता। इससे बेहतर प्रबंधान की कल्पना भी नहीं की जा सकती। अब तो आशा यह की जानी चाहिए कि अब आंधी बरसात के दौर से भी प्रभावी तरह से निपटकर बिपरजॉय के आतंक को कुंद किया जाए। जनहानि से बचाना आपदा प्रबंधन की सबसे बड़ी सफलता है।

डाटा लीक की हकीकत क्या है?

अजीत द्विवेदी

आज के डिजिटल जमाने में डाटा लीक होना, सुरक्षित से सुरक्षित सर्वर का हैक हो जाना या पोर्टल में घुसपैठ होना कोई नई या बड़ी बात नहीं है। दुनिया के सबसे विकसित डिजिटल सुरक्षा वाले देशों में भी ऐसा होता रहा है। यह हकीकत है कि सुरक्षा प्रबंधन का काम देखने वाले तकनीकी विशेषज्ञ और हैकर्स में तू डाल डाल, मैं पात पात वाला खेल चल रहा है। सुरक्षा के विशेषज्ञ एक फायरवाल तैयार करते हैं और हैकर्स उसमें सेंध लगाने के रास्ते तलाशते हैं। यह सतत चलने वाली प्रक्रिया है। इसमें कुछ भी स्थायी नहीं है। अगर कोई सरकार या संस्थान यह समझ रहा है कि उसने एक फुलप्रूफ व्यवस्था बना ली है तो यह उसका भ्रम है। तभी जब भारत सरकार के कोविन पोर्टल से नागरिकों का डाटा लीक होने की खबर आई तो उस पर सरकार की प्रतिक्रिया हैरान करने वाली थी। भारत सरकार के गृह मंत्रालय से लेकर सूचना व प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य मंत्रालय ने पहली प्रतिक्रिया में कहा कि ऐसा नहीं हुआ हो सकता है। यह असंभव है। कोविन पोर्टल से डाटा लीक हो ही नहीं सकता है। यह बहुत हास्यास्पद प्रतिक्रिया है।

सरकार कह रही है कि डाटा लीक नहीं हुआ है और पोर्टल पूरी तरह से सुरक्षित है। यहां तक कहा गया कि कोरोना की वैक्सीन लगवाने वाले लोगों का डाटा कोविन पोर्टल से लीक होने की खबरें शनिराधार और शरारतपूर्णच हैं। इसके बावजूद सरकार ने इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम को इसकी जांच के आदेश दे दिए। अब सवाल है कि डाटा लीक की खबर को शनिराधार और शरारतपूर्णच बताने के निष्कर्ष पर सरकार किस जांच के आधार पर पहुंची? और जब इस निष्कर्ष पर पहुंच गई तो फिर अब आगे इसकी कौन सी जांच होगी? जाहिर है सरकार ने कोई जांच कराए बगैर अपना निष्कर्ष पहले जारी कर दिया और जांच के आदेश उसके बाद दिए। सो, अंदाजा लगाया जा सकता है कि जांच में क्या नतीजा निकलेगा? जो भी जांच होगी वह अंत में सरकार के निष्कर्ष की ही पुष्टि करेगी। यह तो नहीं हो सकता है कि कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम तीन मंत्रालयों से अलग हट कर रिपोर्ट दे कि डाटा चोरी हुआ है!सरकार की प्रतिक्रिया में इतने विरोधाभास हैं कि उससे संदेह और गहरा हो जाता है। एक तो निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद जांच के आदेश देना और दूसरे सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय का यह कहना चिंता और संदेह पैदा करता है कि अभी जो डाटा टेलीग्राम के बॉट अकाउंट से लीक हुआ है और शेयर किया जा रहा है वह पहले चोरी हुए डाटा का हिस्सा हो सकता है। इसका मतलब है कि पहले कोविन पोर्टल या आधार का डाटा चोरी हो चुका है। इसलिए सरकार को बताना चाहिए कि कब इनके पोर्टल में सेंध लगी थी? उस समय कितने लोगों का डाटा चोरी हुआ और उसके बाद फिर चोरी न हो, पोर्टल में सेंध न लगे इसके लिए सरकार ने क्या नए बंदोबस्त किए? इससे पहले 2021 और 2022 में भी कोविन पोर्टल से डाटा चोरी होने की खबरें आई थीं लेकिन तब भी सरकार ने बहुत साफ शब्दों में इन खबरों को खारिज किया था और कहा था कि कोई डाटा चोरी नहीं हुआ, पोर्टल पूरी तरह से सुरक्षित है। अब सरकार खुद कह रही है कि पहले चोरी किया हुआ डाटा शेयर किया जा रहा है।यहां यह भी कंफ्यूजन है कि पहले जो डाटा चोरी हुआ था वह आधार का था या कोविन पोर्टल का था? ध्यान रहे 2018 में तब के सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संसद में कहा था कि आधार का डाटा किसी हाल में चोरी नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि अरबों बार कोई प्रयास करे तब भी डाटा नहीं चुरा सकता है। मौजूदा आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री भी हैं और हाल में बालासोर में हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना में उनका बचाव इस आधार पर किया गया कि वे आईआईटी से पढ़े हैं और आईएएस बने थे। उनके मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि पहले चोरी हुआ डाटा शेयर किया जा रहा है। इसका मतलब उनका मंत्रालय पिछले मंत्री पर ठीकरा फोड़ रहा है। हालांकि जो डाटा शेयर किया जा रहा है वह आधार का डाटा नहीं है, बल्कि कोविन पोर्टल का डाटा है। इसमें उन लोगों के डिटेल शेयर किए जा रहे हैं, जिन्होंने कोरोना की वैक्सीन लगवाई है। इसमें आधार नंबर के साथ साथ वैक्सीनेशन की तारीख और जगह भी बताया जा रहा है। तभी जाहिर है यह डाटा बहुत पुराना नहीं है, बल्कि जनवरी 2021 के बाद का है, जब भारत में वैक्सीनेशन की शुरुआत हुई थी। वैसे भी यह जिम्मेदारी से पीछा छुड़ाने या दूसरे पर ठीकरा फोडने का मामला नहीं है। यह बहुत चिंताजनक घटना है।पहले तो भारत सरकार ने हर नागरिक को आधार नंबर लेने के लिए मजबूर किया।

उसमें हर व्यक्ति का एक एक डाटा लिया गया। उंगलियों के निशान से लेकर आंखों के पुतलियों तक को स्कैन करके कंप्यूटर में रखा गया। फोन नंबर से लेकर घर का पता उसमें दर्ज हुआ। उसके बाद सरकार ने आधार नंबर को बैंक खातों से जोडने के लिए हर व्यक्ति को मजबूर किया। आधार नंबर और पैन कार्ड को लिंक कराया गया और आधार नंबर को आयकर रिटर्न के साथ भी जोड़ा गया। इसके बाद जब वैक्सीनेशन की प्रक्रिया शुरू हुई तो आधार और मोबाइल नंबर के जरिए ही उसका रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ। अब सोचें, अगर किसी व्यक्ति का आधार और मोबाइल नंबर लीक होकर हैकर या ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों के हाथ में पहुंच जाए तो क्या नुकसान हो सकता है? वैसे भी भारत में डाटा सुरक्षा का पुख्ता कानून नहीं है और हजारों करोड़ रुपए का क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड हर साल होता है। लोगों के खातों से पैसे गायब हो जाते हैं। अगर डाटा लीक होने की खबर सही है तो अब किसी हैकर को अलग से किसी के खाते में सेंध लगाने के लिए मेहनत करने की जरूरत नहीं होगी। उसे ऑनलाइन डाटा उपलब्ध है, जिसका इस्तेमाल करके वह करोड़ों लोगों को चूना लगा सकता है।

सरकार का कहना है कि कोविन पोर्टल से डाटा हासिल करने के तीन तरीके हैं। पहला तरीका यूजर्स के लिए है, जो ओटीपी के जरिए डाटा हासिल कर सकते हैं। दूसरा तरीका वैक्सीनेटर यानी वैक्सीन लगाने वाले के लिए है, जो ऑथोराइजेशन के जरिए डाटा हासिल कर सकता है। तीसरा तरीका थर्ड पार्टी ऐप के लिए है और उसे भी ऑथोराइजेशन के जरिए ही डाटा हासिल होगा। अब सवाल है कि इनमें से किस तरीके का इस्तेमाल करके टेलीग्राम के बॉट अकाउंट ने कोविन पोर्टल का डाटा हासिल किया? इसकी गंभीरता से जांच करानी चाहिए। शुतुरमुर्ग की तरह गर्दन रेत में गाडने से काम नहीं चलेगा। पिछले छह महीने में दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स का सर्वर दो बार हैक हो चुका है। कई दिनों तक सर्वर डाउन रहा और हजारों मरीजों का डाटा चोरी हुआ है। सरकार ने इसे स्वीकार भी किया है। इसलिए कोविन पोर्टल से डाटा लीक होने के मामले में बिना जांच के ही इनकार की मुद्रा अख्तियार कर लेना एक गलत प्रवृत्ति का इशारा है। यह अच्छी बात है कि सरकार ने नेशनल डाटा गवर्नेंस पॉलिसी का मसौदा तैयार कराया है, जिसमें सभी सरकारी डाटा के स्टोरेज, एक्सेस और सिक्योरिटी का एक साझा फ्रेमवर्क तैयार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मुखर्जी नगर हादसा, प्रशासन पर सवालिया निशान, कैसे मिली एनओसी: खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश नेशनल पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष राजीव जोली खोसला ने मुखर्जी नगर हादसे में प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अग्निशमन वाले कह रहे हैं कि उनके पास कोई भी साधन नहीं था आग रोकने के लिए, उनके पास एनओसी कहां से आ गई अगर एनओसी नहीं थी तो किस आधार पर इतना बड़ा बच्चों का कोचिंग सेंटर चल रहा था यह भ्रष्टाचार की ही देन है। खोसला ने अभिभावकों से भी निवेदन किया कि आप स्कूल की फीस बढ़ाने का विरोध करते हैं मगर यह कोचिंग सेंटरों को हजारों रुपए खामा –खा फीस के रूप में दे देते हैं जबकि स्कूल में तो आपको मार्कशीट मिलती है जो कैरियर में काम आती है मगर यह कोचिंग सेंटर तो एक भेड़ चाल है जिसमें बच्चे और अभिभावक फस फंस जाते हैं और हजारों रुपए फीस देते हैं जबकि बच्चों की सुरक्षा के नाम पर कुछ भी नहीं है जबकि स्कूल में तो क्लासरूम होता है कोचिंग सेंटर को इस प्रकार बनाए जाते हैं कि कोई भी हादसा हो तो निकलना मुश्किल होता है यह तो ऊपर वाले का शुक्र है कि कोई भी बच्चा हताहत नहीं हुआ सभी कोचिंग सेंटर पर और सरकार पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। पैंथर्स पार्टी सरकार द्वारा इस पर ठोस कदम उठाने की मांग करती है और कोचिंग सेंटर में बच्चों की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम होना चाहिए। सभी प्रशासनिक अधिकारियों से कड़ी पूछताछ होनी चाहिए क्षेत्र में चल रहे कोचिंग की जिम्मेदारी सभी प्रशासनिक अधिकारियों की है।

चांदी की पहली ईंट भरत की खड़ाऊ के लिए अटल बिहारी बाजपेई के मानस पुत्र संजीव द्विवेदी को भेंट की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

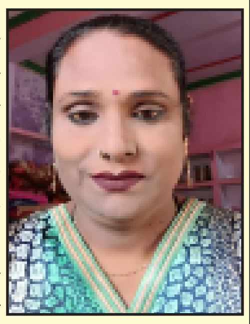

लखनऊ। अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम मंदिर नर किन्नर मिलकर निर्माण करेगे हरपालपुर हरदोई जनपद की रहने वाली काजल किन्नर ने राम और बंधुत्व से लिखी हुई चांदी की पहली ईंट भगवान राम के भाई भरत की खड़ाऊ के लिए अटल बिहारी बाजपेई के मानस पुत्र संजीव द्विवेदी को भेंट की और कहा कि बंधुत्वेश्वरम मंदिर निर्माण के लिए समस्त किन्नर समाज बढ़चढ़कर के सहयोग करेगा जो वीडा किन्नरो के सम्मान के लिए राम के रूप मे इस कलयुग मे संजीव भईया ने उठाया है किन्नर समाज सदैव ऋणी रहेगा किन्नरो को बहन का दर्जा देकर हमारा गौरव बढाया है इस अवसर पर भारत के तमाम साधु संत किन्नर प्रतिभाये मौजूद रही । संजीव द्विवेदी ने कहा कि इस मंदिर निर्माण की यात्रा चित्रकूट से शुरु होकर सम्पूर्ण भारत की परिक्रमा करते हुए सेतुबंध रामेश्वरम पर यात्रा का समापन किया जाएगा यात्रा का नारा होगा भारी बुद्धाय बिना युद्धाय।

गरीब बच्चों को मैगी बिस्कुट वितरित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आशा फाउण्डेशन तथा मानवाधिकार जनसेवा परिषद के संयुक्त तत्वाधान में कंचनपुर, मटियारी स्थित डूडा कालोनी तथा खरगापुर, गोमतीनगर विस्तार के बच्चों को मैगी, बिस्कुट व टॉफी वितरित किया गया। एच एन गुप्ता व वीणा गुप्ता द्वारा चिन्हित कंचनपुर, मटियारी के लगभग 100 से अधिक बच्चों को डूडा कालोनी जाकर आशा फाउण्डेशन की अध्यक्ष आशा सिंह तथा मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा के साथ हेमा गुप्ता, रेखा शर्मा तथा जितेन्द्र सिंह नेगी ने मैगी, बिस्कुट व टॉफी का वितरण किया। इसके पश्चात शालिनी श्रीवास्तव, किरन प्रकाश विश्वकर्मा प्रधान, तारा चन्द व नीलम मिश्रा द्वारा चिन्हित बच्चों को भी मैगी, बिस्कुट व टॉफी वितरित किए गए। इस अवसर पर मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, आशा फाउण्डेशन की अध्यक्ष आशा सिंह, रेखा शर्मा, हेमा गुप्ता, जितेन्द्र सिंह नेगी, एच एन गुप्ता, वीणा गुप्ता, शालिनी श्रीवास्तव, किरन प्रकाश विश्वकर्मा प्रधान, नीलम मिश्रा, तारा चन्द, अनीता विश्वकर्मा, सुमन लता सिंह, बीना सिंह, शालिनी सिंह, शिव देवी, मदन, प्रवीण चौहान, अमित तिवारी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों हेतु निःशुल्क वितरण 24 जून से रूजिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 17 जून भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) कानपुर के पत्र के क्रम5 में जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अवगत कराया है कि भारत सरकार के एडिप योजना के अन्तर्गत, जिले में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों हेतु निःशुल्क वितरण परीक्षण शिविर आयोजन 24 जून से 01 जुलाई 2023 तक किया जायेगा, जिसमें तहसील मुख्यालय सदर में 24 जून को, तहसील केराकत में 26 जून, तहसील बदलापुर में 27 जून, तहसील मछलीशहर में 28 जून, तहसील शाहगंज में 30 जून एवं 01 जुलाई 2023 को तहसील मड़ियाहूँ में आयोजित किया जायेगा। उपर्युक्त चिन्हांकन शिविर में दिव्यांगजनों के आवश्यकता अनुरूप सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकन किया जायेगा। चिन्हांकन हेतु दिव्यांगजनों को पहचान प्रमाण–पत्र (आधार कार्ड, मतदाता कार्ड, राशनब्वी0पी0एल कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस), दिव्यांगता प्रमाण–पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा जारी न्यूनतम 40 प्रतिशत दिव्यांगता का प्रमाण पत्र, आय प्रमाण–पत्र जिनकी सभी स्रोतों से मासिक आय रूपये 22500/–प्रति माह से कम हो व राजस्व विभाग, माननीय सांसद (एमपी)/माननीय विधायक (एमएलए)व ग्राम प्रधान द्वारा प्रदत्त आय प्रमाण–पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। दो पास पोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य है।

अज्ञात युवक का मिला शव मिलने से मचा हड़कंप

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के सुजानगंज थाने से महज पचास मीटर की दूरी पर एक दुकान पर एक अज्ञात युवक का शव मिला। दुकान पर काम कर रहे मजदूरों ने देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दी पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाने से पचास मीटर पूरब एक दुकान में एक युवक आया और से गया। दुकान पर कुछ मजदूर ईंट जोड़ाई का काम कर रहे थे। मजदूरों ने बताया कि वह युवक आया और गलियारे में से गया। काफी देर बाद जब वह नही उठा तो मजदूरों ने उसके ऊपर पानी फेंका लेकिन तब भी वह नही उठा। दुकानदार ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की उम्र लगभग पैंतीस वर्ष बताई जा रही है। वह पीले रंग की शर्ट और इनरवियर पहने था।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी विभाग द्वारा योग शिविर आयोजित

जौनपुर। नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का हुआ अभ्यास

पुलिस लाइन में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी डॉक्टर कमल एवं प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। डॉ कमल द्वारा हर घर तक योग को पहुंचाने के लिए सभी संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया और बताया गया की नियमित और निरन्तर योगाभ्यास को दैनिक दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाकर व्यक्ति अपने मनोदैहिक स्वास्थ्य को सर्वोत्तम बना सकता है। पतंजलि योग समिति के सह राज्य प्रभारी अचल हरीमूर्ति के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का अभ्यास कराते हुए उनसे होनें वाले मनोदैहिक स्वास्थ्य के बारे में बताया गया। ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन और त्रिकोणासनों को जहां खड़े होकर किया गया वहीं बैठकर और लेटकर भद्रासन, शशकासन, भुजंगासन और शव आसनों के साथ कपालभाति, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी और शीतली प्राणायामों के साथ ध्यान का अभ्यास कराया गया। और अन्त में योग संकल्प के साथ शांति पाठ करके योग सत्र का समापन हुआ। इस मौके पर डॉक्टर कमल क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी प्रतिसार निरीक्षक अनुपम यादव अचल हरिमूर्ति, कुलदीप योगी योग प्रशिक्षक अरविंद यादव, विकास यादव, वरिष्ठ सहायक दीपक श्रीवास्तव, मनोज सिंह, प्रदीप पांडे जी नंद लाल यादव, एवं निलेश यादव उपस्थित रहे। इसके साथ ही जनपद में लोहिया पार्क जौनपुर मेडिकल कॉलेज इंग्लिश क्लब कलेक्ट्रेट स्थित क्रांति पार्क इंदिरा गांधी स्टेडियम सिद्धीकपुर जिला कारागार एवं जनपद में संचालित योग एवं हेल्थ वेलनेस सेंटर व चिकित्सालय साथ ही सभी विद्यालयों के बीआरसी सेंटर एवं समस्त ग्राम सरोवर पर भी योग किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया नशा मुक्ति का संदेश

नशामुक्ति के लिए पीयू ने देवकली गांव में किया लोगों को जागरूक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में नव स्थापित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र एवं व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा उमानाथ सिंह स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के संयुक्त तत्वाधान में 12 से 26 जून तक श्नशा मुक्त परिसर एवं समाजश् कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे जन जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत शुक्रवार को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए देवकली गांव में लोगों को नशा व उसके दुष्परिणाम एवं बचाव से जागरूक करने हेतु एक नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतिकरण विश्वविद्यालय के छात्रों के द्वारा किया गया। इसका विषय था श्नशा मुक्त समाजश्। इसमें विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा दिखाया गया कि कैसे लोग नशे की ओर अग्रसर होते हैं? अंत में इसका हमारे परिवार व समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है। इस नुक्कड़ नाटक और इसमें समाहित संदेश को विश्वविद्यालय के पूरा छात्र राजेंद्र यादव द्वारा लोगों को बताया

गया। तत्पश्चात इस जनजागरूकता कार्यक्रम के दूसरे भाग में उमानाथ सिंह स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय के मनोचिकित्सक डॉ. विनोद वर्मा ने नशे की रोकथाम एवं इलाज की सलाह गांव के लोगों को दी। इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे इस अभियान के नोडल अधिकारी डॉ मनोज कुमार पाण्डेय ने नशे के हानिकारक प्रभाव को बताते हुए इससे दूर रहने में कारगर विभिन्न युक्तियों की जानकारी उपस्थित जनमानस को दी। जनजागरूकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ पुनीत सिंह के साथ ही साथ व्यावहारिक मनोविज्ञान के छात्र हिदायत फातमा, पवन सोनकर, समरजीत सोनकर, प्रिया यादव, आराधना विश्वकर्मा, विवेक सिंह, स्वेता साहू, रिया वर्मा, दिव्या सोनकर, अंजली मिश्र, सोनाली मिश्र तथा अन्य विभाग से हर्ष साहू, रिंसू सिंह, अमन सेठ, सत्यम सिंह एवं संतोष यादव नुक्कड़ नाटक के किरदार के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में देवकली ग्राम के प्रधान सहित उपस्थित सभी लोगों ने टीम को इस नेक कार्य हेतु बधाई दी।

योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना अधिकारियों की जिम्मेदारी : सी0डी0ओ0

भूमाफियाओं को चिन्हित कर एफआईआर दर्ज करायें और जेल भेजें : सौम्या गुरूरानी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) तहसील बिलग्राम सभागार में आहूत सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने विभाग के माध्यम से होने निर्माण तथा विकास कार्यों को गुणवत्ता परक निर्धारित समय पर पूर्ण करायें और भारत व प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबसे निचले पायदान के पात्र व्यक्ति तक पूरी ईमानदारी से पहुंचाना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में गरीबों के पट्टे, चकरोड एवं अन्य सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों की शिकायतों पर मुख्य विकास अधिकारी ने राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि ऐसे मामलों में विशेष रुचि लेकर अधिकारी काम करें और क्षेत्र के भूमाफियाओं को चिन्हित कर एफआईआर दर्ज कराते हुए जेल भेजें। उन्होने कहा कि लेखपाल नियमित रूप से ग्राम पंचायतों के साथ मजरों में जाकर ग्राम पंचायत का आयोजन कर लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछे और छोटी–छोटी शिकायतों का निस्तारण ग्राम प्रधान, सचिव, बीट सिपाही आदि की उपस्थिति में आपसी सुलह समझौते के आधार पर करायें ताकि गांव वासियों में आपसी प्रेम, सौहृद बना रहें। विद्युत विभाग की शिकायतों पर सीडीओ ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये भीषण गर्मी का ध्यान में रखकर खराब ट्रान्सफारमरों को निर्धारित अवधि में बदलें और क्षेत्रों रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति करायें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में खराब हैण्ड पम्पों के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी ने कानूनगों एवं लेखपालो को निर्देश दिये कि गांव के खराब एवं रिबोर हैण्ड पम्पों को ग्राम प्रधान तथा सचिव के साथ बैठक कर तत्काल ठीक करायें। पेंशन संबंधी शिकायतों पर सीडीओ ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन पात्र पेंशनरों की पेंशन किसी कारण बन्द हो गयी है उनकी पेंशन बहाल कराये और नये प्राप्त आवेदन पत्रों का सत्यापन कराकर पत्रावली स्वीकृति के लिए विभाग को प्रेषित करें। समाधान दिवस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 राजेश तिवारी, डीएफओ, उप जिलाधिकारी बिलग्राम, जिला विकास अधिकारी अजय प्रताप सिंह, डीडी कृषि डा0 नन्द किशोर सहित समस्त जिलास्तरीय अधिकारी, बीडीओ, ईओ, सीडीपीओ, थानाध्यक्ष आदि उपस्थित रहें।

सिर से पांव तक को फिट रखता है सूर्य नमस्कार : जय सिंह

– रन फार योग टीम को कुलपति ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में विश्वविद्यालय की ओर से शनिवार को तीसरे दिन मुख्य प्रशिक्षक जय सिंह गहलोत एवं सहायक प्रशिक्षक विकास सिंह ने सूर्य नमस्कार के 12 आसनों का अभ्यास कराया। योगाभ्यास में शिक्षक, कर्मचारियों विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। योगाभ्यास में सूर्य नमस्कार के आसन कराए गये। मुख्य प्रशिक्षक जय सिंह गहलोत ने कहा कि सूर्य नमस्कार से हृदय, यकृत, आंत, पेट, छाती, गला, पैर, शरीर के सभी अंगों को बेहतर लाभ पहुंचाता है। सूर्य नमस्कार सिर से लेकर पैर तक शरीर के सभी अंगों को फिट

रखता है। यही कारण है की सभी योग शिक्षक इसके अभ्यास पर विशेष ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार के अभ्यास से शरीर मन और आत्मा सबल होते हैं। पृथ्वी पर सूर्य के बिना जीवन संभव नहीं है। सूर्य नमस्कार से शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक लाभ होते हैं। इसके बाद रन फार योग एवं नशा मुक्त भारत पर हाफ मैराथन दौड़ का भी आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया। इसमें युवा शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया तथा योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का प्रण लिया। प्रतिभागियों ने मैराथन दौड़ के माध्यम से यह भी प्रण लिया कि वे अपने जीवन में स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहेंगे तथा अपने परिवार व समाज के अन्य लोगों को भी किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे। योग सप्ताह के तीसरे दिन पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन मुक्तांगन परिसर में किया गया इसके आयोजक डॉ विनय वर्मा थे। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उपकुलसचिव अमृतलाल, श्रीमती बबिता सिंह,एनएसएस समन्वयक डॉ राजबहादुर यादव, डॉ मनोज कुमार पाण्डेय, डॉ विवेक पाण्डेय, डॉ पुनीत सिंह, डॉ विनय वर्मा, मदन मोहन भट्ट, संतोष यादव, राजेंद्र प्रताप सिंह, राजन गुप्ता, रजनीश सिंह समेत विद्यार्थियों, कर्मचारियों, परिवार जनों एवं सुरक्षा कर्मियों ने प्रतिभाग किया।

यातायात जागरूकता के लिये यमराज उतरे सड़क पर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यातायात पुलिस द्वारा सड़कों पर आए दिन हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नियम का पालन न करने पर दुर्घटना हो सकती है और आप असमय मौत का शिकार हो सकते हैं।

इस मामले में जानकारी देते

हुए क्षेत्राधिकारी शहर कुलदीप गुप्ता ने बताया कि यातायात जागरूकता अभियान के तहत गाड़ियों पर विभाग का नाम विभिन्न राजनीतिक दलों के नाम नंबर प्लेट सही नहीं लगना सीट बेल्ट का प्रयोग न करना के बारे में अभियान चलाया गया है साथ ही चार पहिया वाहनों में काली फिल्म लगी है उसको उतरा गया है काफी मात्रा में वाहनों का चालान किया गया है यमराज के रूप में एक व्यक्ति को उतारा गया है जो लोगों को जागरूक कर रहा है। समय–समय पर इसे रोकने के लिये अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें लोगों को डराने के लिए यमराज के रूप में एक व्यक्ति को खड़ा करके लोगों को सड़क पर चलने के नियम के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही जो लोग नियम का पालन कर रहे थे हेलमेट लगाकर चल रहे थे उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया गया। यमराज ने बताया कि किस तरह से

समाजसेवी राजीव खोसला ने लखनऊ में वरिष्ठ पत्रकार अम्बरीष कुमार सक्सेना को किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। भीम ब्रिगेड ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय सैनिक संस्था एनसीआर के संयोजक राजीव

जोली खोसला ने एकदिवसीय लखनऊ के दौरे के दौरान वरिष्ठ पत्रकार अम्बरीष कुमार सक्सेना,ब्यूरो प्रमुखः हिन्दुस्थान समाचार को एक अनौपचारिक मुलाकात के दौरान 14 गरम दल क्रांतिकारी वीरों की तस्वीर वाली घड़ी उपहारस्वरूप प्रदान की। और चौथा स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को गरम दल क्रांतिकारी वीरों के सोच के बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रकाशित करने का निवेदन किया। जिससे भारत की युवा पीढ़ी को क्रांतिकारियों द्वारा दिए गए बलिदान का ज्ञान हो सके।किस प्रकार 18 वर्ष ,20 वर्ष ,25 वर्ष ,23 वर्ष में भारत माता को स्वतंत्र कराने के लिए अपना बलिदान देकर आजादी दिलवाई। यह ऐतिहासिक घड़ी 8 अप्रैल 1929 को तब आई जब भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने नेशनल असेंबली पर बम ब्लास्ट किया था।जिन्हें गिरफ्तार कर रायसिना हिल पुलिस स्टेशन में कैद किया गया। जो आज का संसद मार्ग पुलिस स्टेशन नई दिल्ली है।जिसमें सैनिक संस्था और नई दिल्ली पुलिस द्वारा 8 अप्रैल 2023 को तीसरी बार ऐतिहासिक कार्यक्रम किया गया।इस घड़ी में शहीद भगत सिंह ,बटुकेश्वर दत्त, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु, सुखदेव, उधम सिंह, करतार सिंह सराभा ,झांसी की रानी, अशफाक उल्ला खान, रामप्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस, लाला लाजपत राय आदि क्रांतिकारी वीरों की तस्वीरें घड़ी मे लगा रखी हैं।जिसे अपने सामने टेबल पर रखकर कार्य किए जाएं व इनकी याद हमेशा जीवंत रहे। लखनऊ में सभी पत्रकारों से भेंट करवाने वाले पत्रकार आर एल पाण्डेय सम्पर्क सेतु रहे।जिनके द्वारा दिल्ली से लाकर पत्रकार साथियों को ऐतिहासिक घड़ी उपहार में दी गई।

भीम ब्रिगेड ट्रस्ट ने वरिष्ठ पत्रकार अम्बरीष कुमार सक्सेना को किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। भीम ब्रिगेड ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय सैनिक संस्था एनसीआर के संयोजक राजीव जोली खोसला ने एकदिवसीय लखनऊ के प्रवास के दौरान वरिष्ठ पत्रकार अम्बरीष कुमार सक्सेना को अपना बलिदान देकर आजादी दिलवाई। यह ऐतिहासिक घड़ी 8 अप्रैल 1929 को तब आई जब भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने नेशनल असेंबली पर बम ब्लास्ट किया था।जिन्हें गिरफ्तार कर रायसिना हिल पुलिस स्टेशन में कैद किया गया।

जो आज का संसद मार्ग पुलिस स्टेशन नई दिल्ली है।जिसमें सैनिक संस्था और नई दिल्ली पुलिस द्वारा 8 अप्रैल 2023 को तीसरी बार ऐतिहासिक कार्यक्रम किया गया।इस घड़ी में शहीद भगत सिंह ,बटुकेश्वर दत्त, एक अनौपचारिक मुलाकात के दौरान 14 गरम दल क्रांतिकारी वीरों की तस्वीर वाली घड़ी उपहारस्वरूप प्रदान कर सम्मानित किया। और चौथा स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को गरम दल क्रांतिकारी वीरों के सोच के बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रकाशित करने का निवेदन किया। जिससे भारत की युवा पीढ़ी को क्रांतिकारियों द्वारा दिए गए बलिदान का ज्ञान हो सके।किस प्रकार 18 वर्ष ,20 वर्ष ,25 वर्ष ,23 वर्ष में भारत माता को स्वतंत्र कराने के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु, सुखदेव, उधम सिंह, करतार सिंह सराभा ,झांसी की रानी, अशफाक उल्ला खान, रामप्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस, लाला लाजपत राय आदि क्रांतिकारी वीरों की तस्वीरें घड़ी मे लगा रखी हैं।जिसे अपने सामने टेबल पर रखकर कार्य किए जाएं व इनकी याद हमेशा जीवंत रहे।इस अवसर पत्रकार आर एल पाण्डेय विशेष रूप से मौजूद रहे।

गृहकर जलकर जमा कराये जाने हेतु लागू होगी ओ0टी0एस0 स्कीम

– नगर पालिका द्वारा कराये जायेंगें पार्कों के निर्माण

– शहीद उद्यान में लगेगी नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा

ब्यूरो चीफ अम्बरीष कुमार सक्सेना

हरदोई। आज अध्यक्ष न०पा०परि०हरदोई सुख सागर मिश्र मधुर की अध्यक्षता में नगर पालिका

कार्यालय में बोर्ड की साधारण बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में मा० विधायकध्राज्य मंत्री आबकारी एवं मद्य निषेध नितिन अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में अधिशासी अधिकारी द्वारा शासन से प्राप्त पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया गया। मा० अध्यक्ष नगर पालिका के वित्तीय अधिकार दस लाख का प्रतिनिधायन किया गया। नगर में प्रमुख दस स्थानों पर वाटर कूलर लगवाने का प्रस्ताव पारित किया गया। गृहकर–जलकर एकमुश्त जमा करने पर ओ०टी०एस० स्कीम के अन्तर्गत सरचार्ज माफ करने का निर्णय लिया गया तथा किश्तो में जमा करने पर सरचार्ज सहित वसूली करने का निर्णय लिया गया। नगर की सफाई व्यवस्था सुद्दढ करने पर चर्चा की गयी। शहीद उद्यान पार्क में 05.00 रू० प्रवेश शुल्क लेने तथा प्रतिदिन टहलने वालो के मासिक कार्ड सशुल्क जारी करने का निर्णय लिया गया। नगर पालिका के दुकानों के किराये में बढोत्तरी करने का निर्णय लिया गया तथा अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष जी को अधिकृत किया गया। चार डीप फीजर तथा एक शव वाहन के क्रय की स्वीकृति प्रदान की गयी तथा अधिशासी अधिकारीध्अध्यक्ष जी को अधिकृत किया गया। नगर पालिका के संशाधनों से डीप फ्रीजर उपभोक्ता के आवास तक भेजने का शुल्क 100=00 रू० निर्धारित किया गया। मो० सैयापुरवा में अम्वेडकर पार्क के सौन्दर्यीकरण कराये जाने की सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गयी। मो० आलूथोक में संजय शर्मा के आवास के पास पडी नगर पालिका की भूमि पर पार्क तथा सालिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लान्ट की सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। सभी प्रस्तावों में अग्रेतर कार्यवाही हेतु अधिशासी अधिकारीध्अध्यक्ष जी को अधिकृत किया गया। अन्य प्रस्ताव के अन्तर्गत मा० नितिन अग्रवाल राज्य मंत्री द्वारा अपनी निधि से 26 लाख रू0 वार्डो के विकास कार्य के लिये दिये जाने की घोषणा की गयी। आवास विकास के अन्तर्गत नृपति विहार में पार्क बनवाने का निर्णय लिया गया। खराब पड़े इण्डिया मार्क–2 हेण्ड पम्पों को मरम्मतधरिबोर कराने का निर्णय लिया गया। शहीद उद्यान में नेता जी सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक वार्ड में कैम्प लगवाये जाने का निर्णय लिया गया। मा० मंत्री जी ने बैठक में सभी सदस्यों से सफाई व्यवस्था के बारे में सहयोग दिये जाने की अपेक्षा की, उन्होने कहा की प्रायः यह देखा जा रहा है कि लोग अपने घरो का कूडा नाली में डाल देते है जिससे नालाध्नाली चोक हो जाते है एवं जलभराव होता है। इसके लिये जनजागरूकता की जाये तथा वार्डों में कैम्प लगाये जाये। उन्होने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि नालो पर अतिक्रमण हटाने के लिये सर्वे करा लिया जाये तथा अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस जारी की जाये यदि अतिक्रमणकर्ता अतिक्रमण नहीं हटाता है तो पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाया जाये उस पर सभी सदस्यों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी। हरदोई नगर को आदर्श नगर बनाये रखने के लिये सभी के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा की वर्ष भर की कार्य योजना बना ली जाये और उसी के आधार पर धन उपलब्धता के आधार पर कार्य कराया जाये। उन्होने नगर के विकास के लिये हर सम्भव सहयोग का आश्वसन दिया। अधिशासी अधिकारी रविशंकर शुक्ला ने नगर पालिका के विकास के बारे में अवगत कराया तथा यह कहा कि नगर पालिका को प्रत्येक कर्मचारी अपनी निष्ठा के साथ कार्य करेगा एवं सभासदो एवं नागरिको के प्रति शिष्टाचार का प्रदर्शन करेगा। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हरदोई ने मा० मंत्री जी के नगर पालिका की बैठक में पहुंचने पर आभार व्यक्त किया। उन्होने कहा कि हरदाई नगर पालिका को सभी के सहयोग से तथा मंत्री जी की प्रेरणा से जन सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्ध है। हरदोई नगर एक आदर्श नगर के रूप में विकसित किया जायेगा। जिसमे सभी के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी रविशंकर शुक्ला ने बैठक में उपस्थित सभी सभासदगण का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में पालिका के बालेश्वर मिश्रा, लेखाकार, चन्द्रकान्त अवर अभियन्ता (जल). आदित्य श्रीवास्तव, कमल किशोर मिश्रा, अनिल यादव, अरूण कुमार सिंह, विद्याभूषण सिंह, संतोष यादव, विमलेश यादव उपस्थित रहें।

ब्लड डोनेशन कैम्प का शुभारंभ सचिव रेडक्रास लखनऊ अमर नाथ मिश्रा ने किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी लखनऊ और ।पउतं

मोबाइल एसोसिएशन के तत्वावधान में ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन सिविल हास्पिटल में शुभारंभ सचिव रेडक्रास लखनऊ अमर नाथ मिश्रा ने किया। इस अवसर पर मोबाइल व्यवसाय से जुड़े लोगों ने रक्त दान किया और लखनऊ रेड क्रॉस के वरिष्ठ पदाधिकारियों अभिषेक खरे एवं अरुण अवस्थी ने भी रक्त दान किया कुल 48 रक्त दाताओं ने ब्लड डोनेट किया मोबाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज जौहर सचिव अमित अग्रवाल उपाध्यक्ष रतन मेघानी आनंद सिंह सभी ने सभी रक्त दाताओं का और सिविल हॉस्पिटल की टीम का शिविर को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

नारद जी महाराज के कर कमलों द्वारा पंचायत भवन का हुआ शुभारंभ

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज (जौनपुर)

क्षेत्र के भीलमपुर ग्राम सभा स्थित पंचायत भवन का उद्घाटन

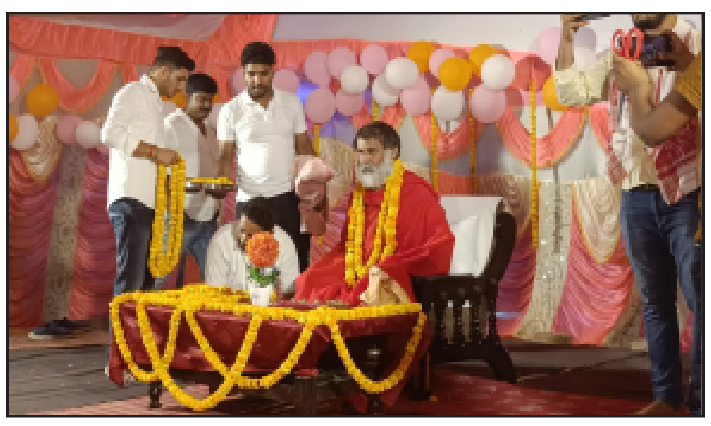

शुक्रवार की देर शाम ग्राम प्रधान मधु सिंह पत्नी संजय सिंह के आह्वान पर पधारे अड़गड़ानंद बाबा के शिष्य नारद जी महाराज के कर कमलों द्वारा फीता काटते हुए किया गया तथा नारद जी महाराज ने उपस्थित लोगों के बीच गीता शास्त्र के विषय में प्रकाश डालते हुए कहा कि परमात्मा का द्वार सब के लिए खुला रहता है वह चाहे छोटा हो या बड़ा हो ऊँच हो या नीच हो और परमात्मा के द्वार मे प्रवेश करने के लिए हमे श्रद्धा और आस्था भाव विस्वास और समर्पण की आवश्यकता होती है गीता में भगवान श्री कृष्ण ने बताया कि बिना श्रद्धा के दिया हुआ दान और तपा हुआ तब और जो भी किया हुआ कर्म है वह सब असत्य है ऐसा कहा जाता है उन्होंने कहा कि हम कोई भी कार्य करते हैं उसमे श्रद्धा का होना नितांत आवश्यक है. जहां पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रहीं

G–20 के अन्तर्गत जन भागीदारी संगोष्ठी का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुरं जन भागीदारी जनपद स्तरीय शिक्षा गोष्ठी का आयोजन

डायट सभागार में मुख्य अतिथि मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द यादव एवं विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह (प्रिंसु) की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस बैठक में G 20 जन भागीदारी के उद्देश्यों प्रभावों एवं प्रतिफलों पर बेसिक शिक्षा की सहभागिता पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। समस्त वक्ताओं द्वारा अपने विचार एवं बेसिक शिक्षा की आगामी कार्ययोजनाओं को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया। मुख्य अतिथि द्वय गण द्वारा, भी G–20 के सहयोग एवं एकजुटता की तारीफ की गई। वसुधैव कुटुम्बकम की संकल्पना को इन 20 देशों द्वारा स्वीकार करते हुए एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का स्लोगन दिया गया है। भारत में इसके आयोजन की मेजबानी पर हम सभी भारतीय को गर्व है। यह कार्यक्रम हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने एवं प्रत्येक विभाग व जनसमुदाय को एक जुट करने का भी कार्य करेगा एवं समस्त नागरिक अपनी – 2 भूमिकाओं से अवगत होते हुए देश के आर्थिक विकास में एक नई दिशा का निर्माण करेगा। हम अब सभी शिक्षण संस्थानों को खेलकूद से सुसज्जित करेंगे जिससे शारीरिक, मानसिक रूप से सुसज्जित विकसित होते हुए राष्ट्र के प्रति जागरूक हो सकें यह हमारी प्रतिबद्धता है उसी के क्रम में डायट में एक बहु उद्देशीय इंडोर स्टेडियम का निर्माण अविलम्ब शुरू करा दिया जाएगा। आज की इस गोष्ठी में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्राचार्यध् उप शिक्षा निदेशक डायट जौनपुर द्वारा अपने विचार प्रकट किये गये। कार्यक्रम में विभागीय जानकारी, एवं प्रगति से विभिन्न व्यक्तियों, जिसमें, डायट मेंटर, ए०आर०पी०, शिक्षक संकुल द्वारा PPT के माध्यम से दी गई।

मिशन प्रेरणा से लेकर आज निपुण भारत यात्रा का एक विडियो के माध्यम से दिखाया गया तत्पश्चात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा G–20 पर विचार व्यक्त करते हुए जनपद कि आज तक बेसिक शिक्षा की प्रगति यात्रा पर विस्तृत पर प्रकाश डाला गया। हमे शिक्षक संदर्शिका, बिगबुक, SMC, PTA, MTA बैठक पर विस्तृत प्रकाश डाला गया स हम सभी अकादमिक रिसोर्स पर्सन टीम समुदाय का विश्वास जीतने का 100: प्रयास करें। आज हम सभी लोग सरकार को आश्वासन देते हम जनपद जौनपुर दिसम्बर 2023 तक अवश्य निपुण बना लेंगे। डॉव अखिलेश सिंह SRG द्वारा निपुण भारत के विकास की कहानी च्च्ज के माध्यम से प्रस्तुत की गई। डायट मेंटर धर्मेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा डायट में हुए निपुण भारत मिशन (G20) जनभागीदारी के कार्यक्रमों व डायट का कायाकल्प पी.पी.टी के माध्यम से प्रस्तुत किया तथा यह सब कार्य करने में प्राचार्य सर की अहम भूमिका बताया स पैनल डिस्कशन डॉव कमलेश कुमार यादव SRG के नेतृत्व में पैनल के सदस्य मुकेश कुमार ठम्द्, वरुण कुमार यादव डायट प्रवक्ता, सुशील कुमार उपाध्याय ।त्च सिकरारा, जितेंद्र कुमार गिरि प्रधानाध्यापक नूरपुर रामपुर, रिचा चित्रांशी सहायक अध्यापक ै जफराबाद, द्वारा मिशन प्रेरणा से लेकर निपुण की प्रगति (कायाकल्प, सुपर विजन के रूप हैंड होल्डिंग, प्रधानाध्यापक के रुप में बदलाव, सहायक अध्यापक के लीडरशिप पर विस्तृत वार्तालाप की गई। डिस्कशन के बाद खुला सेशन किया जिसका उत्तर पैनल के सदस्यों द्वारा दिया गया ।

अन्त उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डायट जौनपुर डॉव राकेश सिंह द्वारा मंत्री को धन्यवाद दिया गया। प्राचार्य द्वारा निपुण भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी विद्यालयों में सूक्ष्म प्लान के साथ करना होगा और प्रति सप्ताह कक्षावार सभी बच्चों का आंकलन कर उनके प्रगति प्रोफाइल तैयार किया जाय तभी हम सब अपने विद्यालयों दिसम्बर 2023 तक निपुण कर सकेंगे। सभी को बहुत बहुत धन्यवाद एवं शुभकामनाएं दिया गया । यह शिलशिला रुकेगा नहीं हम आप सभी सदैव प्रेरित करते रहेंगे, आपके साथ कदम से कदम मिलाकर कवच बनाकर खड़े रहेंगे आप एक शब्द याद कर ले मेहनत. .....मेहनत......मेहनत अवश्य सफलता प्राप्त करेंगे। अन्त में डायट प्राचार्य सभी ठम्द्, डायट मेंटर्स, क्द्, ।त्द्, शिक्षक संकुल तथा कर्मचारियों शिक्षकों एवं छात्रों का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव एवं अजय कुमार मौर्य द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में समस्त विकास खण्डों में कार्यरत कुल 100 ए० आ० पी० . पाँच–सभासद, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी समस्त एस.आर.जी. डायट के 50 डी.एल.एड. प्रशिक्षु, डायट प्रवक्ता गण, कार्यालय समस्त स्टाफ समस्त जिला समन्वयक, कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

प्रदेश में बिजली कटौती पर सीएम योगी ने जताई नाराजगी, सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने भीषण गर्मी और लू के दौरान प्रदेश में हो रही अप्रत्याशित विद्युत कटौती, ट्रिपिंग, मरम्मत का बहाना बनाकर किए जा रहे अनुचित शटडाउन पर नाराजगी व्यक्त की है।सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में बिजली कटौती पर नाराजगी जताते हुए कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने ऊर्जा मंत्री, विद्युत निगम के चेयरमैन और अधिकारियों को तलब किया है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने भीषण गर्मी और लू के दौरान प्रदेश में हो रही अप्रत्याशित विद्युत कटौती, ट्रिपिंग, मरम्मत का बहाना बनाकर किए जा रहे अनुचित शटडाउन पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि किसी भी विपरीत परिस्थिति से निपटने के लिए पहले से ही पूरी तैयारी व मॉनीटरिंग के निर्देश दिए गए हैं लेकिन विभाग के अधिकारियों पर इसका कोई असर नहीं पड़ता है।उन्होंने विद्युत कार्मिकों की ओर से उपभोक्ताओं से अच्छा व्यवहार न करने तथा बिजली व्यवस्था सुधार के लिए कार्य संस्कृति में बदलाव न लाने पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी है। शक्तिभवन में बिजली व्यवस्था व कामों की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि पूरा शक्तिभवन विद्युत कार्यों को लेकर सचेत नहीं है। यहां पर अधिकारियों के बैठने का कोई लाभ उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा है। ये सब मिलकर ऊर्जा विभाग की बदनामी करा रहे हैं। बिजली विभाग के कार्मिकों की लापरवाही से व्यवस्था पटरी पर नहीं आ रही है।उन्होंने निदेशक तकनीकी कमलेश बहादुर सिंह के काम व निदेशक व्यावसायिक अमित श्रीवास्तव के राजस्व संग्रह को लेकर नाराजगी व्यक्त की। इन्हें जल्द ही अपने काम में सुधार की चेतावनी भी दी। सुधार न होने पर दोनों अधिकारियों से काम की जिम्मेदारी हटाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को फील्ड में जाने और अनुरक्षण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने को कहा। हर डिस्काम व एक–एक उपकेंद्र व फीडर के काम की निगरानी करने को भी कहा। मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के हो रहे उत्पीड़न के प्रति शक्तिभवन में बैठे उच्च अधिकारी आंखें मूंदे हुए हैं। ऐसी कार्य संस्कृति स्वीकार्य नहीं होगी।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि निर्धारित शेड्यूल के अनुरूप सभी क्षेत्रों को बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। बेवजह शटडाउन और कटौती बंद की जाए। उन्होंने वाराणसी, प्रयागराज, अलीगढ़, बुन्देलखंड, बुलंदशहर व सिद्धार्थनगर से बिजली कटौती की आ रही शिकायतों को गंभीरता से लिया। उन्होंने गाजीपुर में विजलेंस टीम की ओर से डॉक्टर के घर में घुसकर दुव्यर्वहार के मामले पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को अपनी कार्य संस्कृति में सुधार लाने को कहा। उन्होंने चेयरमैन को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में तुरंत सख्त कार्यवाही की जाए।

पड़ोसियों की पिटाई व मुकदमे की धमकी से सहमे युवक ने दे दी जान

संवाददाता

लखनऊ। गौरैया गांव में पड़ोसियों की पिटाई व फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी से डरे धीरू सिंह (32) ने खुदकुशी कर ली। उसका शव शुक्रवार को कमरे में फंदे से लटका मिला। पत्नी ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है।वहीं, पुलिस के मुताबिक, मृतक शराब का लती था। उसने शराब के लिए अपने हिस्से की जमीन बेच दी थी और आए दिन विवाद करता था। राजेंद्र सिंह के बेटे धीरू सिंह का शव शुक्रवार को कमरे में फंदे से लटका मिला। पति का शव लटका देख कुमकुम चीख पड़ी। चीख सुनकर परिवार व आसपास के लोग जुट गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देर शाम पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव सुपुर्द कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

दो दस्तावेज तैयार करा कर धोखे से कराया बैनामा

दो अधिवक्ता सहित चार लोगों पर एफ आई आर दर्ज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

खरगूपुर गोंडा। बेशकीमती भूमि का धोखे से बैनामा करा लिया गया।भूमि का बैनामा कराने की साजिश में शामिल दो अधिवक्ताओं सहित चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।ग्राम इटियाथोक निवासी राम संवारे ने कोतवाली नगर पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि चौबीस लाख रुपये में छह बीघा भूमि का बैनामा करने के लिए धरनीधार दूबे व सुरेंद्र नाथ तिवारी से तय हुआ था।दो सितंबर 22 को कचहरी गया था।लेकिन उस दिन तैयार किये गये दस्तावेज की रजिस्ट्री नहीं हो पाई।अगले दिन बुलाकर दूसरा दस्तावेज तैयार कर मेरी सड़क के किनारे की .405 हेक्टेयर भूमि का भी बैनामा धोखाधड़ी पूर्वक करा लिया।इसके बाद रजिस्ट्री कराकर बिना कोई सूचना भेजे नामांतरण भी कर लिया।दिनांक चौदह मई 2023 को मेरी सड़क के किनारे वाली भूमि पर आरोपी कब्जा करने गए तो पूरे मामले की जानकारी हुई।पूँछताछ में आरोपियों ने बताया कि यही भूमि बैनामा हुई है।जो मेरे नाम खतौनी में भी आ चुकी है।आरोप है कि यहां पर कुछ करोगे तो तुम्हें जान से भी हाथ धोना पड़ेगा।उपरोक्त आरोपी भूमाफिया हैं।लोगों की जमीनें कम दामों पर धोखे से खरीद कर ऊंचे दामों पर बेचने का काम करते हैं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर ने बताया कि आरोपियों धरनीधर मिश्रा निवासी भवनियापुर उपाध्याय,अधिवक्ता राकेश कुमार दुबे निवासी बहलोलपुर,सुरेंद्र नाथ तिवारी निवासी इटियाथोक व अधिवक्ता संतोष कुमार मिश्रा निवासी झूरीकुइंया के खिलाफ धोखाधड़ी,कूटरचित दस्तावेज तैयार करने व जानमाल की धमकी देने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मडहे मे लगी आग , कीमती समान जलकर हुआ राख

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर। क्षेत्र के भीलमपुर ग्राम सभा निवासी के रिहाईसी मडहे में अनजान कारणों से शनिवार के दोपहर करीब 12 बजे आग लग गई।जिससे घर में रखा सब कुछ जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त ग्रामसभा निवासी सुरेंद्र बहादुर (बब्बन यादव)पुत्र स्व0 रामखेलावन यादव के रिहायसी मडहे मे अनजान कारणो से आग लग गई,जब तक लोग समझते तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया जिससे खाने के सामान (अनाज)के साथ नगदी पांच हजार तथा पूरे परिवार के कपडे एवं पशुओ के लिए रखा चारा जलकर राख हो गया।पीडित ने बताया पहले हल्का धूआ दिखा तथा देखते ही देखते आग की ऊंची लपटें उठने लगी आस पड़ोस के लोगों के आने तक सब कुछ हमारा जलकर राख हो गया तथा ग्राम प्रधान मधु सिंह एवं लेखपाल पवन गुप्ता को घटना की जानकारी दी गई है।

पड़ोसी ने मासूम बच्ची से किया दुष्कर्म का प्रयास, गिरफ्तार

हरदोई। टडियावां थाना क्षेत्र के एक गांव में मासूम बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास की घटना सामने आई है। जिसमें बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी युवक भाग गया। जिसे गांव के लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया और डॉयल 112 पुलिस को सौंप दिया। आरोपी युवक रिश्ते में मासूम का चाचा बताया जा रहा है। पुलिस ने ताऊ की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। टड़ियावां थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। शुक्रवार शाम को 7 वर्षीय मासूम जब बच्चों के साथ खेल रही थी। उसी समय आरोपी ने उसे निशाना बनाया। मोबाइल में गेम दिखाने के बहाने मासूम को बहला–फुसलाकर अपने घर ले गया और फिर उसको मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो दिखाने लगा। फिर आरोपी ने मासूम व अपने कपड़े उतारकर उसके साथ अश्लील हरकतें की। बच्ची के रोने पर दरिंदे ने मासूम का मुंह दबाया और थप्पड़ भी मारा। बच्ची अपने ताऊ के पास रहती थी। ताऊ का कहना है कि बिटिया को घर पर ना देख कर उसकी तलाश शुरू की तो देखा वह रोती हुई आ रही है। पूछा तो रो–रो कर सारी हकीकत बताने लगी तभी आरोपी ने भागने की कोशिश की। इस पर ग्रामीणों ने युवक को पकड़कर 112 पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। शनिवार को थाने पहुंचकर बच्ची के ताऊ ने पुलिस को तहरीर देते हुए कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने तहरीर मिलते ही गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। शनिवार को पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्विवेदी स्वयं घटना स्थल पर पहुंचे तथा ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली।

एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि टड़ियावां थाना क्षेत्र में एक युवक ने बच्ची के साथ छेड़छाड़ की है। जिसमें पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।